अभ्यास 2 : बुधवार 3 सितंबर को क्लास से पहले जमा कीजिए।

1. नीचे निदा फ़ाज़ली और दुष्यंत कुमार की दो ग़ज़लें दी गई हैं। इनको और क्लास में पढ़ी गई और ग़ज़लों को ध्यान में रखते हुए ग़ज़ल की विधा पर टिप्पणी कीजिए (ग़ज़ल के रूप, छंद के अलावा और विशेषताएँ, आदि)। इस बारे में नेट से और जानकारी प्राप्त करें।

निदा फ़ाज़ली -

अपना ग़म लेके कहीं और न जाया जाये
घर में बिखरी हुई चीज़ों को सजाया जाये

जिन चिराग़ों को हवाओं का कोई ख़ौफ़ नहीं
उन चिराग़ों को हवाओं से बचाया जाये

बाग में जाने के आदाब हुआ करते हैं
किसी तितली को न फूलों से उड़ाया जाये

ख़ुदकुशी करने की हिम्मत नहीं होती सब में
और कुछ दिन यूँ ही औरों को सताया जाये

घर से मस्जिद है बहुत दूर चलो यूँ कर लें
किसी रोते हुए बच्चे को हँसाया जाये ।

दुष्यंत कुमार-

हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए

आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी
शर्त थी लेकिन कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए

हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में
हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मक़सद नहीं
मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए

मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए ।

2. निर्मल वर्मा की कहानी 'परिन्दे' 1956 में प्रकाशित हुई। उन्हें हिन्दी साहित्य में 'नई कहानी' आंदोलन का सूत्रधार कहा जाता है। इनके बाद कमलेश्वर, मन्नू भंडारी, ज्ञानरंजन, राजेन्द्र यादव आदि कई कहानीकार ऐसे हुए, जिन्हें 'नई कहानी' के साथ जोड़कर देखा जाता है। नीचे दिए गए लिंक से मन्नू भंडारी की कहानी 'यही सच है' पढ़ें। इस कहानी पर 'रजनीगंधा' नाम की फिल्म बनी थी।

https://dnsnews.in/yehi-sach-hai-hindi-story-mannu-bhandari/
या
https://www.femina.in/hindi/sahitya/kahani/story-yahi-sach-hai-by-mannu-bhandari-4391.html (भाग 1)
https://www.femina.in/hindi/sahitya/kahani/story-yahi-sach-hai-by-mannu-bhandari-4394.html (भाग 2)
https://www.femina.in/hindi/sahitya/kahani/story-yahi-sach-hai-by-mannu-bhandari-4399.html (भाग 3)

आपने स्कूल में जैसी कहानियाँ पढ़ी हैं, उनसे ये कहानियाँ किस तरह अलग हैं, विस्तार से लिखें।